/font>

16.30 hrs.

Title: Statement regarding rally pertaining to problems of farmers and labourers organised at Lucknow by Samajwadi Party and its Associate organisations.

MR. SPEAKER: The Home Minister would now make a statement regarding a rally organised on 21st February, 2003 at Lucknow by Samajwadi Party and its associate organisations.

उप प्रधान मंत्री तथा गृह मंत्रालय तथा कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के प्रभारी (श्री लालकृण आडवाणी) : अध्यक्ष महोदय, मैं पिछले सप्ताह यहां नहीं था। उस समय श्री रामजी लाल सुमन और कुछ अन्य सदस्यों ने लखनऊ में जो रैली हुई, उसमें जो बल प्रयोग हुआ, उसका उल्लेख किया था। उत्तर प्रदेश सरकार से जो जानकारी प्राप्त हुई है उसके अनुसार एक और दो फरवरी को किसी पार्टी के सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री मुलायम सिंह यादव ने घोणा की थी कि 21 फरवरी को लखनऊ में इनकी पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों के विरुद्ध एक बड़ी रैली का आयोजन होगा। लखनऊ में इस प्रस्तावित रैली से पूर्व ही धारा 144 के अधीन निोधाज्ञा जारी थी। पार्टी ने अपनी रैली की कोई अनुमति नहीं ली। इसलिए वहां की सरकार ने घोति किया कि यह रैली प्रतिबंधित है। इसका प्रचार भी किया कि यह प्रतिबंधित है। उत्तर प्रदेश सरकार ने हम को यह सूचना दी है कि प्रीकॉशनरी तौर पर पार्टी के लगभग 10 हजार कार्यकर्त्ताओं को प्रदेश भर में गिरफ्तार किया गया। रैली के दिन 21 तारीख को पार्टी के कार्यकर्त्ताओं और पुलिस के बीच कई स्थानों पर झड़पें हुईं, हिंसा हुई और पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, वाटर कैनन का प्रयोग करना पड़ा, अश्रु गैस का इस्तेमान करना पड़ा।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : वहां गोलियां चलायी गईं। यह बात अखबारों में देख लीजिए कि ये खोखे हैं जो समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर हैं। हमारी जान लेने की कोशिश की गई। माननीय मुलायम सिंह जी का हत्या का प्रयास किया गया। कन्नौज के सांसद श्री अखिलेश यादव की हत्या करने का प्रयास किया गया।

MR. SPEAKER: Please sit down. Let the Home Minister make his statement.

कुंवर अखिलेश सिंह : इससे पूर्व भी उत्तर प्रदेश सरकार ने मुंडेरवा की घटना में जो बयान दिया था, उससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है। यह बात अखबारों में देखिए। â€¦ (व्यवधान)

श्री लाल कृण आडवाणीः अध्यक्ष जी, सामान्यतः प्रदेश की बात यहां नहीं उठायी जाती लेकिन बताया गया कि किसी सांसद को चोट आई थी, इस कारण संसदीय कार्य मंत्री ने इस बात को स्वीकार किया कि हम वहां से जानकारी प्राप्त करेंगे। हमें वहां से जो जानकारी मिलेगी वही जानकारी यहां दी जाएगी। मैं उसके बारे में कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हूं। आपने गोलियां मारने की बात कही लेकिन उन्होंने यह कहा कि हवा में फायरिंग करनी पड़ी। मैंने इसलिए बल प्रयोग शब्द का प्रयोग किया कि उन्होंने अश्रु गैस कहा, वाटर कैनन कहा। मैंने यह जानकारी दी कि 10 हजार लोगों को प्रदेश भर में गिरफ्तार किया गया। उस दिन वहां जो झड़पें हुई उसमें उनका कहना है कि समाज वादी पार्टी के 15 कार्यकर्त्ता घायल हुए और पुलिस तथा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के लोगों में भी 37 लोग घायल हुए। उसके बाद 1321 समाजवादी पार्टी के कार्यकर्त्ता गिरफ्तार किए गए जिन में सात सांसद थे और 49 एमएलएज थे। हमें यह सूचना प्रदेश सरकार ने दी है। आखिर में उन्होंने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है और शांत है।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत बयान है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am sorry. Rules are very strict. Rule 372 does not permit questions after the statement is made.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह सब किया है।

अध्यक्ष महोदय : मैं समझ सकता हूं। आप दोनों रूल जानते हैं लेकिन आप दोनों एक साथ क्यों बोलते हैं। आप मुझे बतायें कि आप क्या चाहते हैं?

श्री रामजीलाल सुमन : हमारा निवेदन यह कि यह बयान किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं कि हमारी समाजवादी पार्टी ने अनुमति नहीं ली। उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री राम शरण दास ने अपना प्रार्थना-पत्र जिलाधिकारी और एस.एस.पी. को दिया है कि हमें अनुमति दी जाये क्योंकि हमारा प्रदर्शन शान्तिपूर्ण ढंग से होगा। इसके बावजूद पूरे प्रदेश में धारा 144 लगा दी गई। 20 फरवरी को हमारे नेता माननीय मुलायम सिंह यादव गोमती एक्सप्रेस से जा रहे थे, उनके सामने कार्यकर्त्ताओ की पिटाई की गई। हजारों कार्यकर्त्ता पूरे प्रदेश में गिरफ्तार किये गयेâ€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये लोग â€¦ (व्यवधान) या तो इस मामले की ज्युडिशियल जांच कराई जाये या एक संसदीय शिटमंडल वहां भेज दीजिये ताकि सही परिस्थिति मालूम हो। यह मेरी आपसे हाथ जोड़कर प्रार्थना है â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने समाजवादी पार्टी की तरफ से मांग की है कि वहां की परिस्थिति जानने के लिये एक शिटमंडल भेजा जाये। इस मांग को माननीय उप प्र धान मंत्री जी ने सुना है लेकिन अभी आपको रुकना पड़ेगा You cannot force him to react on every statement. What is your demand now?

श्री रामजीलाल सुमन : उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह सब किया है।

अध्यक्ष महोदय : अभी उप प्रधान मंत्री जी ने इस विाय में बताया है। सुबह भी आपने बात की है, बाद में ज़ीरो ऑवर में आपने इस मामले को उठाया। अभी भी यह बात उठाना चाहते हैं, यह कैसे चलेगा। यह नहीं चल सकता। आप प्लीज़ बैठिये। I do not agree with you. आप क्या चाहते हैं?;

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अभी उप प्रधानमंत्री जी ने जो स्टेटमेंट दिया, वह उत्तर प्रदेश सरकार कि रिपोर्ट के आधार पर दियाâ€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : अध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है?

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप पहले मेरी बात सुनिये। कीर्ति जी, आपसे ज्यादा शोर मचाना मुझे आता हैâ€¦ (व्यवधान) यदि आप स्पर्द्धा करना चाहते हैं तो कर लीजिये।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : इसमें शोर मचाने की बात नहीं हैâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कीर्ति जी, आप बैठिये।

16.38 hrs.

(At this stage Shri Ramji Lal Suman and some other hon. Members

came and stood near the Table)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग अपनी सीट पर जाइये। आप अपनी जगह पर जाकर बोलिये।

16.39 hrs.

(At this stage Shri Ramji Lal Suman and some other hon. Members

went back to their seats)

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको इजाजत दी है, आप बोलिये।

श्री रामजीलाल सुमन : वे लोग आ रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैं उन्हें रोक दूंगा। मैं यहां बैठा हूं। आप अपनी जगह पर जाकर बोलिये। अखिलेश जी, आप बताइये, आपकी क्या मांग है। जब आप स्टेटमेंट चाहते थे, उप प्रधानमंत्री जी ने दे दिया, उसके बाद पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर श्रीमती सुमा स्वराज ने बोल दिया, फिर आप क्या चाहते हैं, बता दीजिये? मैं उनको कह दूंगा।

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह सदन की परम्परा रही है कि यदि इस सदन के किसी सदस्य के साथ इस तरह की घटना होती है तो सम्पूर्ण सदन की राय लेकर उस घटना पर विचार करते हैं. चूंकि यह मेरे साथ हुआ है, इसलिये मैं बड़ी विनम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि मैं कीर्ति जी को यह समझाना चाहता हूं कि 21 तारीख को जो घटना हुई, उसका भुक्तभोगी मैं हूं। माननीय मुलायम सिंह यादव इस सदन के नेता हैं, वे भुक्तभोगी हैं। श्री अखिलेश यादव जो इस सदन के सदस्य हैं, वे भी भुक्तभोगी हैं। इसलिये यह राज्य सरकार का विाय नहीं है। माननीय सदस्यों की जान लेने की कोशिश की गई है, यह उसका मामला है। मैं आपके संज्ञान में यह बात भी लाना चाहता हूं कि जब मुण्डेरवा में किसानों पर गोली चली, उस समय भी उत्तर प्रदेश सरकार की रिपोर्ट के आधार पर यहां सरकार ने वक्तव्य दिया था। उस समय भी उत्तर प्रदेश सरकार ने गलत रिपोर्ट दी थी।

एक आदमी के मारे जाने की बात कही थी, जब कि तीन आदमियों की मौत की बात उजागर हुई थी और महोदय मैंने व्यक्तिगत तौर पर दूरभाा पर आपको इस सच्चाई से अवगत कराया था और पूरी सच्चाई फिर देश के सामने आ गई थी। मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है वह झूठ का पुलिंदा है। मैं उस घटना का प्रत्यक्षदर्शी गवाह हूं, जो घटना वहां घटित हुई मैं उसका भुक्तभोगी हूं। उत्तर प्रदेश की सरकार ने 21 तारीख को जब हम कार्यालय परिसर के अंदर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे तो पहले पुलिस ने श्री मुलायम सिंह जी, अखिलेश यादव और हमारे ऊपर पत्थरों की बौछार की, उसके बाद आंसू गैस के गोलों की बौछार की और उसके बाद हमारे ऊपर निशाना लेकर गोलियां चलाई गईं। यह इतनी गंभीर घटना थी कि जब हमने दूरभाा पर अपनी पत्नी को पूरी घटना बताई तो हमारी पत्नी ने आपसे सम्पर्क करने का प्रयास किया और आपके पास लिखित तौर पर पत्र भेजा कि हमारे पति की जान खतरे में है, आप इसमें पहल करके कार्रवाई करने का कार्य करें।...(व्यवधान)... *

मैं आपसे कहना चाहता हूं कि एक सदस्य की जान कोâ€¦ (व्यवधान)

श्री श्याम बिहारी मिश्र (बिल्हौर) : अध्यक्ष महोदय, यह क्या उल्टा-सीधा बोल रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जो ऐसे आरोप लगाये जा रहे हैं, यदि वे सदन के नियमों के अनुसार नहीं हैं तो मैं उन्हें रिकार्ड से निकाल दूंगा।

* Not Recorded

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल (हमीरपुर, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)... *

कुंवर अखिलेश सिंह : ...(व्यवधान)... *

अध्यक्ष महोदय : अब आपको समाप्त करना होगा। मैंने आपको बोलने का बहुत मौका दिया है। सदन के सामने दूसरा बिजनेस भी है, केवल आपका बिजनेस नहीं है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको क्या चाहिए, वह बताएं, बाकी की बातें आप क्यों बोलते हैं।

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, 21 तारीख को जो घटना घटित हुई है, उसके लिए संसद की एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन करके उस घटना की जांच करा ली जाए, वरना यह भी तय कर लिया जाए कि कल किसी सदस्य के साथ यदि इस तरह की घटना घटती है तो उसकी सदन के अंदर चर्चा नहीं होगी। हम इसे स्वीकार करेगें हैं। अगर इस तरह से संसद सदस्यों को अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने में बाधा पहुंचाई जायेगी, उन्हें जान से मारने की कोशिश की जायेगी तो कोई संसद सदस्य निर्भय होकर अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं कर पायेगा। यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती है। इसलिए मैं चाहता हूं कि गृह मंत्री जी बड़े दिल का परिचय देते हुए एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन करें और इस सम्पूर्ण घटना की जांच करके जांच रिपोर्ट सदन के पटल पर प्रस्तुत करेंâ€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, आप निर्देश दें।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको बोलने की इजाजत नहीं दूंगा। उप-प्रधान मंत्री जी यहां हैं, यदि वह चाहते हैं तो निवेदन करेंगे।â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : आप उन्हें निर्देश दीजिए। आप हमारे संरक्षक हैं। गृह मंत्री जी घोाणा करें कि वहां संयुक्त संसदीय समिति जांच करने के लिए जायेगी। हमारी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप हमारे संरक्षक हैं, आप गृह मंत्री जी से कहें कि वह एक संयुक्त संसदीय समिति वहां भेजे जो पूरे तथ्यों की जानकारी सदन को दे।â€¦(व्यवधान) यह बहुत गंभीर मामला है। एक संयुक्त संसदीय समिति को वहां जाकर पूरे मामले की जानकारी लेनी चाहिए। आप इस बारे में गृह मंत्री जी से आश्वासन दिलवाइये।

अध्यक्ष महोदय : मैं गृह मंत्री जी से एक बार फिर से इस विाय में चर्चा करूंगा। अभी आप बैठिये।

*** Not Recorded**

श्री कीर्ति झा आज़ाद :अगर इन्हें इतनी सी बात समझने में कठिनाई होती है तो कृपया ये लोग नियमावली पढ़कर सदन में आयें। यहां बैठकर किसी के ऊपर इस तरह से आरोप लगाना और चिल्लाना क्या ठीक है। इस तरह से तो मैं बचपन से क्रिकेट के मैदान से चिल्ला रहा हूं, मुझे आप क्या बोलेंगे। जब स्टेटमैन्ट के बाद प्रश्न नहीं हो सकते हैं तो नहीं हो सकते, या तो आप नियम बदलवाइये। यहां बैठकर आप इस तरह की बात कर रहे हैं। यह बोलने का आपका क्या तरीका है।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जो विाय पूरा हो गया है उसे आप फिर से क्यों शुरू करते हो।

...(व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : आज सोमनाथ दादा से खरी-खरी सुनेंगे, तो फिर उन्हें सुनिये।â€¦(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : I hope our cricketers would, tomorrow, show that much of gusto as you are showing the gusto here with regard to this item. Let us all send a message of goodwill to them instead of fighting here....(*Interruptions*)

SHRI KIRTI JHA AZAD : Definitely, they will show that. I would show that much of gusto here. ...(*Interruptions*) We have got the same sense. You always tell us that we are shouting and doing this and that. But when all those hon. Members sitting next to you shout, you do not even stop them when they are trying to break the rules of the House.. You are such a senior Parliamentarian. You can do that but you are not doing that. ...(*Interruptions*) That is very unfortunate.

श्री सोमनाथ चटर्जी : हम क्या करेंगे, यह जवान हैं।

अध्यक्ष महोदय : उन्हें रोकने का काम श्री सोमनाथ चटर्जी ने ही किया है।

श्री सोमनाथ चटर्जी : हम कितनी बार कोशिश करते हैं।

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : अध्यक्ष महोदय, एक बात कहनी है।

अध्यक्ष महोदय : क्या कोई शेर सुनाना चाहते हैं?

श्री राशिद अलवी : जी नहीं। धारा 144 भंग करने पर जो कुछ हुआ, उसका बड़ा हंगामा हो रहा है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : वह विाय खत्म हो गया है। . वह विाय पूरा हो गया है। I am not permitting you to speak.

...(व्यवधान)

श्री राशिद अलवी : ये तो लोक सभा में एम.पी. को मारना चाहते हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं, नहीं। आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हर प्रश्न का उत्तर देने की ज़रूरत नहीं है।

श्री रामजीलाल सुमन : मान्यवर, हम कहना चाहते हैं कि हमारे साथी अलवी जी आराम की नौकरी करें, उनको चिन्ता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। â€¦(व्यवधान)

_____